जैव विविधता प्रबंधन व संरक्षण है आवश्यक

- बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद व वन विभाग ने किया आयोजन
- कहा, जैव संपदा से ही जीवों की आवश्यकता होती पूरी

सहरसा, निज संवाददाता। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद और वन प्रमण्डल सहरसा द्वारा सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों व सदस्यों का क्षमता विकास किया गया।

कार्यशाला में सहरसा के सात प्रखण्डों कहरा, सत्तरकटैया, नवहट्टा, सौर बाजार, सोनवर्षा, महिषी और पतरघट के अध्यक्ष, सदस्य सचिव, सदस्य एवं सम्बद्ध पंचायतों के अन्य ग्रामीण सहित 84 व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उदघाटन बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद पटना के संयुक्त निदेशक हेमकान्त राय, उप निदेशक मिहिर कुमार झा, वन प्रमंडल पदाधिकारी भरत चिन्तपल्ली और जिला मत्स्य पदाधिकारी विद्याभूषण दत्त ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यशाला में वन क्षेत्र पदाधिकारी विरेन्द्र कुमार राय सहित अन्य थे। कार्यशाला में जैव विविधता प्रबंधन एवं उसके संरक्षण के महत्त्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। जैव विविधता रजिस्टर के बारे में बताया गया और बताया गया कि पंचायतों में प्राकृतिक महत्व के भूखण्ड एवं वास स्थल, झील, नदीतट, नदी खण्ड, विलक्षण किस्म के कृषि या बागवानी के स्थल की जानकारी व उनके संरक्षण के कार्य प्रभावी रूप से किए जाय। सहरसा जिला के जैव विविधिता एवं जैव विविधता संबंधी स्थानीय पहलुओं यथा कृषि, पशुपालन, मत्सियकी, भौगोलिक पारिस्थितिकी की जानकारी दी गई।

सोमवार को प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते पटना व सहरसा के अधिकारी।

कार्यक्रम में जिले के जैव विविधता प्रबंधन समितियों के कार्य, कर्तव्य और दयित्व के बारे में विस्तार से बताया। बताया गया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले जीव के विभिन्न रूप हम मनुष्यों के साथ सभी जीवों की आवश्यकताओं की पूर्ति हमारी जैव संपदा द्वारा ही संभव है। जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन में आम नागरिकों की भूमिका अतिआवश्यक है। इसके लिए जैव विविधता प्रबंधन समितियों को आगे आना होगा और आम जनता को जागरूक करना होगा। लोक जैव विविधता पंजी निर्माण की आवश्यकता और इसके संधारण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।